अभिनय कला व्यक्तित्व विकास कि कला है - डॉ. विश्वजित विश्वास

प्रदर्शनकारी कला(फिल्म तथा थिएटर) विभाग में अभिनय कार्यशाला संपन्न

वर्धा ,दि. 7: “अभिनय कला व्यक्तित्व विकास कि कला है, इस लिये इसे साधना, समर्पण ,परिश्रम के माध्यम से विकसित किया जा सकता है. आधुनिक युग में इसे व्यावहारिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है. पर यह कला सहज साध्य नही है . किंतु अभिनय कार्यशाला इसे आसान बना सकती है. छात्रोने अभिनय कला को गंभीरतापूर्वक लेना चाहिये.” यह विचार शांतीपुर रंगपीठ (शांतीपुर -प.बंगाल) के निर्देशक,प्रसिद्ध नाट्य निर्देशक तथा नाट्य प्रशिक्षक डॉ.विश्वजित विश्वास द्वारा व्यक्त किये गये.

प्रदर्शनकारी कला(फिल्म तथा थिएटर) विभाग द्वारा हबीब तन्वीर सभागार में आयोजित तीन दिवसीय अभिनय प्रशिक्षण कार्यशाला के समापण के अवसर पर वे अपने विचार व्यक्त कर रहे थे. इस अवसर पर प्रमुख अतिथी के रूप मे विभाग कि पूर्व छात्रा तथा फिल्म अभिनेत्री सुश्री रश्मी पटेल ,कार्यशाला के संयोजक डॉ. सतीश पावडे मंच पर उपस्थित थे. “मुंबई महानगरी कलाकारो के लिये बेहतर अवसर देती है ,पर कलाकारो कों सिद्ध करना होता है. लगन, नियोजन और व्यावहारिक दृष्टीकोन के साथ कडा संघर्ष करना होता है. इस तरह कलाकार को तैयार करने में प्रदर्शनकारी कला विभाग ने हमेशा बहुमूल्य भमिका अदा कि है”, इस तरह सुश्री रश्मी पटेल ने अपनी भावनाये व्यक्त की.

समापन कार्यक्रम का प्रस्तावना पाठ ,संचालन तथा आभार ज्ञापन कार्यशाला के संयोजक डॉ. सतीश पावडे द्वारा किया गया. इस अवसर पर , नीतू जैन, सद्दाम हुसैन , मोहम्मद काशिफ , राहुल त्रिपाठी , विक्रम सिंह, राजेश अहिरवार, आदी छात्रो द्वारा अपना मन्तव्य रखा गया. इस के पूर्व अभिनय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन विभागाध्यक्ष प्रो.सुरेश शर्मा के करकमलो द्वारा किया. इस अवसर पर डॉ. अविचल गौतम ,डॉ.हिमांशू नारायण उपस्थित थे. तीन दिवसीय यह कार्यशाला डॉ. विश्वजित विश्वास ने संचालित की. छात्रो को अभिनय के विविध पहलुओ का प्रशिक्षण दिया.